



॥ श्री यमदेव क्षमा प्रार्थना ॥
॥ ॐ यमाय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री यमदेव क्षमा प्रार्थना ॥

ॐ श्री धर्मराजाय नमः।

ॐ श्री यमदेवाय नमः॥

॥ क्षमा प्रार्थना ॥

हे धर्मराज! हे सूर्यदेव के तेजस्वी पुत्र! हे समस्त प्राणियों के निष्पक्ष न्यायाधीश! मैं विनम्र भाव से आपके श्रीचरणों में प्रणाम करता/करती हूँ।

हे प्रभु! यदि मेरी पूजा, जप, ध्यान, स्तुति, आरती अथवा उपासना में अज्ञानवश, असावधानीवश या मन, वचन एवं कर्म से कोई त्रुटि हुई हो, तो कृपया उसे क्षमा करें।

हे दण्डधर! आप कर्मों के न्यायकारी हैं, परन्तु भक्तों पर करुणा बरसाने वाले भी हैं। मेरे जाने-अनजाने में किए गए पापों, अपराधों, अनुचित विचारों और अनुचित कर्मों को क्षमा कर मुझे सदाचार का मार्ग दिखाइए।

हे धर्मस्वरूप! मेरे हृदय से काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मात्सर्य, अहंकार और असत्य का नाश कर सत्य, दया, क्षमा, संयम, सेवा और धर्म का प्रकाश उत्पन्न कीजिए।

हे लोकपाल! मुझे ऐसा विवेक प्रदान करें कि मैं सदैव धर्म के मार्ग पर चलूँ, किसी का अहित न करूँ, अपने कर्तव्यों का पालन करूँ तथा अपने जीवन को सत्कर्मों से सफल बनाऊँ।

हे पितृनाथ! मेरे पितरों पर अपनी कृपा बनाए रखें। उन्हें शांति, सद्गति और दिव्य लोकों का सुख प्रदान करें तथा मेरे कुल पर सदैव अपना मंगलमय आशीर्वाद बनाए रखें।

हे करुणामय धर्मराज! मेरे परिवार, गुरुजनों और समस्त प्राणियों की रक्षा करें। सभी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सद्बुद्धि, धर्मनिष्ठा और सुख-समृद्धि प्रदान करें।

हे प्रभु! अंत समय में आपका पावन स्मरण बना रहे, मेरा मन भय और मोह से मुक्त रहे तथा आपकी कृपा से मुझे सद्गति और परम मंगल की प्राप्ति हो।

॥ क्षमा मंत्र ॥

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व धर्मनायक॥
अज्ञानाद् विस्मृत्या वा यत्किञ्चिदपराधितम्।
तत्सर्वं क्षम्यतां देव धर्मराज नमोऽस्तु ते॥

॥ समर्पण ॥

कायेन वाचा मनसेन्द्रियैर्वा।
बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतेः स्वभावात्।
करोमि यद्यत् सकलं परस्मै।
श्रीधर्मराजाय समर्पयामि॥

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"